(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731
1/8
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष : 06 अंक : 224 देहरादून, शुक्रवार, 24 मई 2024 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए.. डॉक्टर जगदीश किशोर

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है।

डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्द, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं। जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है।जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है।व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है।जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है।डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है। और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

देश विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अग्निपथ योजना पर राजनीति से रोकने... 12 | बुद्ध की शिक्षाएं एवं धर्मोपदेश मानव जीवन के... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 220
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 24 मई, 2024

फेरोमोन ट्रैप से फसलों के कीटों से बचाव के लिए एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डा. जगदीश किशोर ने गुरुवार को किसानो को फेरोमोन ट्रैप से फसलों के कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि इस समय खेतों में उर्द, मूंग एवं मक्का की फसले खड़ी हुई हैं जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होने से नर कीट आकर्षित होकर आता है व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है। डॉ. किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आने के साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है।

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए~ डॉक्टर जगदीश किशोर

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्द, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं। जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि

एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है।

उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है।जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है।व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है।जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है।डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है। और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है

1/8

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17

R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वार्ड ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 | अंक 199 | हिन्दी दैनिक | लखनऊ, शुक्रवार, 24 मई 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए- डॉक्टर जगदीश किशोर

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्द, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं। जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है जिससे नर कीट आकर्षित होकर

आता है। व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है। जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है। डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है। और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं, फसल को कीटों से बचाए

डीटीएनएन | कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के थरियांव कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्द, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं। जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है। और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

1/10
वर्ष-3, अंक-266, पृष्ठः 10
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

हर सवेरे नया जोश

कानपुर | गुरुवार, 23 मई 2024 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

विश्व जैव विविधता दिवस पर कुलपति ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर छात्र-छात्राओं एवं आम जनमानस को जैव विविधता दिवस की महत्ता के बारे में सन्देश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि वन्य जीवन तथा विभिन्न पेड़ पौधों की प्रजातियां में अत्यधिक विविधता पाई जाती है लेकिन फिर भी एक दूसरे पर निर्भरता के कारण उनके निकट का संबंध है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि पेड़ पौधे तथा जीव जंतु वातावरण को शुद्ध करते हैं तथा भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी को पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया । कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस घोषित किया है। इस दिवस को मनाने का मूल उद्देश्य लोगों को जैव विविधता के बारे में जागरूक करना है। कुलपति ने बताया कि हमें बचे हुए प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण करना चाहिए।

दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 272 कानपुर, शुक्रवार 24 मई 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.0रु

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए-डॉ जगदीश किशोर

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्दू, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है व फेरोमोन ट्रैप में फंस

जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

शाश्वत टाइम्स
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कानपु

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए : डॉक्टर जगदीश किशोर

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्दू, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं। जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है ।जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है ।व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है ।जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है ।डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है। और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

उत्तर
प्राधिक
निर्देशों
कानपु
द्वितीय
औचव
जिला

1/8
वर्ष 08, अंक 69, कानपुर, गुरुवार, 23 मई 2024
पृष्ठ- 08, मूल्य- 02 रुपये www.shashwattimes.com राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

शाश्वत टाइम्स

विश्व जैव विविधता दिवस पर कुलपति ने दिया पर्यावरण संरक्षण का सदेश

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने आज पर्यावरण संरक्षण परहह छात्र-छात्राओं एवं आम जनमानस को जैव विविधता दिवस की महत्ता के बारे में सन्देश दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि वन्य जीवन तथा विभिन्न पेड़ पौधों की प्रजातियां में अत्यधिक विविधता पाई जाती है लेकिन फिर भी एक दूसरे पर निर्भरता के कारण उनके निकट का संबंध है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि पेड़ पौधे तथा जीव जंतु वातावरण को शुद्ध करते हैं तथा भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी को पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया । कुलपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस घोषित किया है। इस दिवस को मनाने का मूल उद्देश्य लोगों को जैव विविधता के बारे में जागरूक करना है। कुलपति ने बताया कि हमें बचे हुए प्राकृतिक स्त्रोतों का संरक्षण करना चाहिए।

दैनिक
आज का कानपुर

फेरोमोन ट्रैप अपनाएं,फसल को कीटों से बचाए-डॉ जगदीश किशोर

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने कृषकों को फेरोमोन ट्रैप से फसलों को कीटों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है डॉक्टर किशोर ने बताया कि इस समय खेतों में उर्दू, मूंग एवं मक्का की फैसले खड़ी हुई हैं जिनमें कीटों के लगने की प्रबल संभावनाएं हैं उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि एक बीघा खेत में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप लगाने से फसल का हानि से बचाव होता है उन्होंने बताया कि फेरोमोन ट्रैप में मादा कीट का गंध (ल्योर) लगा होता है जिससे नर कीट आकर्षित होकर आता है व फेरोमोन ट्रैप में फंस जाता है और मादा अंडे नहीं दे पाती है जिससे सूंडी (कैटरपिलर) नहीं बन पाते और फसल नुकसान से बच जाती है डॉक्टर किशोर ने बताया कि इसको लगाने से फसल लागत में कमी आती है साथ ही पर्यावरण सुरक्षित रहता है और किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती है तथा फसल की गुणवत्ता भी अच्छी रहती है।

दैनिक जागरण 24/05/2024

उड़द, मूंग को कीट से बचाने के लिए फेरोमोन जाल बिछाएं

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फसल सुरक्षा विज्ञानी डा. जगदीश किशोर ने बताया कि इन दिनों उड़द, मूंग और मक्का की फसलों में सूंडी (कैटरपिलर) का हमला हो रहा है। इससे बचने के लिए किसानों को अपने प्रति बीघा खेत में छह से आठ फेरोमोन जाल बिछाने की जरूरत है। इस जाल में मादा कीटों की गंध का प्रयोग किया जाता है। इस गंध से आकर्षित होकर नर कीट जाल में आकर गिर जाते हैं। जिससे फसल का बचाव होता है। इससे अनाज की गुणवत्ता भी अच्छी बनी रहती है। वि